मैया ओ शेरावाली ऊँचे पहाड़ों वाली | By Mukesh Bagda

मैया ओ शेरावाली ऊँचे पहाड़ों वाली
विनती सुनो हमारी आए शरण तुम्हारी
मैया ओ शेरावाली ऊँचे पहाड़ों वाली
विनती सुनो हमारी आए शरण तुम्हारी

तेरे पावन चरणों मे माँ अपना शीश झुकाए
तेरी महिमा गा गा कर माँ तुमको आज मनाए
कब तेरा माँ दर्शन पाए सोया भाग जगाए
भर दो माँ झोली खाली ऊँचे पहाड़ा वाली

विनती सुनो हमारी आए शरण तुम्हारी

कब से तेरी चौखट पे माँ आश लगाए खड़े हे
तेरे दर्शन करने को माँ शरण तुम्हारी पड़े हैं
अब तो आओ दर्श दिखावों अब ना देर लगाओ
जयकरा तेरा गाए मैया तुम्हें बुलाए

विनती सुनो हमारी आए शरण तुम्हारी*

माँ बेटे का रिश्ता ऐसा दीपक बाती जेसा
विपदा सारी मिटाए मैया दुख चाहे हो केशा
जो भी ध्यावे दर्शन पावे सुख और आनंद पावे
मंदिर तेरा सुहाना नित रोज हमको आना

विनती सुनो हमारी आए शरण तुम्हारी

चम चम करती चुनरी तेरी रंग रंगीली लाए
कंगन चूडी पहनाकर माँ कुंकुम महन्दी लगाए
मीठा मीठा भोग लगाए तुम को खूब मनाए
अंगना सजाए मैया तुमको बुलाए मैया
विनती सुनो हमारी आए शरण तुम्हारी

मैया ओ शेरावाली ऊँचे पहाड़ों वाली
विनती सुनो हमारी आए शरण तुम्हारी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%93-%e0%a4%b6%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%8a%e0%a4%81%e0%a4%9a%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a1/